15. मुहावरे

हिंदी भाषा की विशेषता है कि यह भिन्न-भिन्न प्रकार के शब्दों, वाक्यों एवं वाक्यांशों को अपने अंदर समाहित किए हुए है। इसी कड़ी का एक हिस्सा मुहावरे भी हैं, जो अपने विशिष्ट प्रयोग से भाषा को अधिक आकर्षक और प्रभावशाली बनाते हैं।

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को मुहावरों से अवगत कराएँ।
- पाठ पृष्ठ 74 पर दिए उदाहरणों को दिखाकर बच्चों को समझाएँ- जब किसी को बहुत भूख लग रही होती है तब वह अधिकतर यही कहता है कि उसके पेट में चूहे कूद रहे हैं। अथवा जब खाने-पीने की किसी चीज़ को देखकर उसे खाने का मन करे या जी ललचाए तो हम कहते हैं, हमारे मुँह में पानी आ रहा है। ये सभी शब्दों का समूह ही मुहावरा कहलाता है।
- बताएँ, शब्दों का वह समूह जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है, मुहावरा कहलाता है। मुहावरे विशेष प्रकार के कथन होते हैं, जो अपने शब्दों से इतर विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं।
- बच्चों से चर्चा करें कि क्या वे अपने दैनिक जीवन में, अपनी बातचीत में मुहावरों का प्रयोग करते हैं। वे कौन-कौन से मुहावरे प्रयोग करते हैं, आदि।
- पृष्ठ 74-77 पर दिए मुहावरों एवं उनके वाक्य प्रयोगों को पढ़ें-पढ़वाएँ।
- शिक्षक-शिक्षिका बच्चों से मुहावरों का पाठ से भिन्न वाक्य प्रयोग करवाकर पूछें।
- सुनिश्चित करें, बच्चे मुहावरे भली-भाँति समझ पा रहे हैं या नहीं।
- पाठ अभ्यास करवाने में यथासंभव सहायता करें।